मीट की दुकान पर चाकूबाजी में दो जनों की मौत, सात जने घायल

मीट रेट व वॉट्सएप पर हुई बहस से खूनी संघर्ष हुआ, सुरक्षा के मद्देनजर सुरक्षा बल तैनात

अजमेर, (कासं)। रामगंज थाना क्षेत्र के ब्यावर रोड खानपुरा स्थित मीट की दुकान पर मंगलवार को एक ही समुदाय के दो गुटों के बीच खूनी संघर्ष हो गया। पाकीजा मीट शॉप के पास हुए बवाल में चाकूबाजी में दो युवकों की मौत हो गई, जबकि सात गंभीर रूप से जख्मी हो गए। मृतकों की पहचान इमरान और शाहनवाज के रूप में हुई है। दोनों चाचा-भतीजा बताए जा रहे हैं। सुरक्षा के मद्देनजर मौके पर भारी सुरक्षा बल तैनात किया गया है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार चाकूबाजी की घटना मीट रेट को लेकर हुई थी, लेकिन मामले की जड़ पुरानी रंजिश और वॉट्सएप पर चली तीखी बहस को भी बताया जा रहा है। चश्मदीद रईश ने बताया कि पहले दो लोग आए और बाद में थार गाड़ी, बाइक और अन्य वाहनों से करीब 25 से 30 हमलावर मौके पर पहुंचे, उन्होंने पहले बोतलें फेंकी और फिर चाकू से हमला कर दिया, जिससे अफरा-तफरी मच गई। घटना की सूचना पर एडिशनल एसपी हिमांशु जांगिड़, सीओ ओमप्रकाश, रामगंज थाना प्रभारी सहित भारी पुलिस बल मौके पर पहुंचा और घायलों को 108 एंबुलैंस की सहायता से जेएलएन अस्पताल पहुंचाया। घायलों में इरफान, युनूस, शाहबाज, आफताब, अब्दुल, शाहरुख सहित अन्य शामिल हैं। एडिशनल एसपी ने बताया कि हमले में पुराने विवाद की भी भूमिका सामने आई है। मीट की रेट कम और ज्यादा करने को लेकर विवाद शुरू हुआ था। पुलिस ने इलाके में तनाव को देखते हुए अतिरिक्त जाब्ता तैनात कर दिया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए आरोपियों की पहचान व गिरफ्तारी के प्रयास किया जा रहे हैं।

चाकूबाजी के घायल युवक को पुलिस ने अस्पताल में भर्ती करवाया।

- 'हमले में पुराने विवाद की भी भूमिका सामने आई है, मीट की रेट कम और ज्यादा करने को लेकर विवाद शुरू हुआ था'

कोटा : रेलवे क्वार्टर में महिला का शव मिला

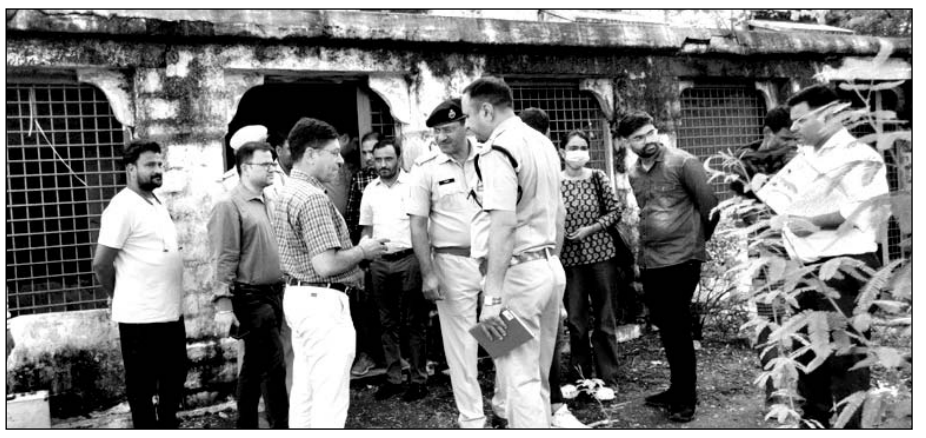

कोटा रेलवे क्वार्टर में महिला के शव मिलने पर पुलिस अधिकारी व टीम के अन्य सदस्य मौके पर पहुंचे।

कोटा, (निसं)। रेलवे कॉलोनी क्षेत्र में मंगलवार सुबह उस समय सनसनी फैल गई जब राहगीरों को एक कुत्ता महिला का हाथ मुंह में दबाकर भागता हुआ नजर आया, तब राहगीरों ने कुत्ते को भगाया और इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और आसपास इलाके में छानबीन के बाद महिला का शव क्षत-विक्षप्त हालत में रेलवे कॉलोनी के पुराने खंडर रेलवे क्वार्टर में बरामद हुआ, महिला के धड़ से सिर और हाथ अलग मिले।

महिला पिछले कई महिनों से रेलवे क्वार्टर के इस खंडर मकान में अवैध कब्जा करके अकेले रह रही थी। मृतका महिला की शिनाख्त वंदना के रूप में हुई। रेलवे क्वॉटर में महिला का शव मिलने की सूचना मिलते ही शहर पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन, शहर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दिलीप सैनी, पुलिस उपअधीक्षक गंगासहाय शर्मा सहित रेलवे कॉलोनी थानाधिकारी रामस्वरूप मीणा मय जाप्ता लेकर मौके पर पहुंचे। बताया जा रहा है कि महिला अपने पति से पिछले कई सालों से अलग रह रही थी। महिला पति से अलग होने के बाद अपने पीहर कुछ समय के लिये गई और कुछ महिनों से सूने पड़े रेलवे क्वार्टर में ही अवैध रूप से अकेले ही रह रही थी। मृतका की शिनाख्त उसके पिता व भाई ने वंदना के रूप में की। मृतका के पिता ने कहा कि पिछले 12 साल से पति से अलग रहती थी कुछ समय तक तो हमारे पास रही और कुछ महिनों से अकेले ही रहती थी।

शहर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दिलीप कुमार सैनी ने बताया कि आमजन से रेलवे कॉलोनी पुलिस को सूचना मिली थी कि मानव हाथ को एक कुत्ता लेकर जा रहा था सूचना पाते ही रेलवे कॉलोनी पुलिस मौके पर पहुंची और आस-पास छानबीन के बाद पुलिस को महिला का शव सूने पड़े रेलवे क्वार्टर में मिला। उन्होंने बताया कि अपराध होने की संभावना को देखते हुए मौके पर एफएसएल टीम, एमओबी टीम, डॉग स्क्वायड टीम एवं मेडिकल टीम को मौके पर बुलाया गया।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दिलीप सैनी ने बताया कि मौके पर पहुंची मेडिकल टीम के डॉक्टर से बताया कि महिला की मौत तकरीबन 18 घंटे पहले हुई है। उन्होंने कहा कि सर और हाथ दोनों धड़ से अलग हैं अगर किसी ने काटा होता तो ब्लड प्रेशर काफी तेज होता खून के निशान भी आस-पास फैले नजर आते, लेकिन घटनास्थल पर ऐसा कुछ नही मिला है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दिलीप सैनी ने बताया कि महिला की शिनाख्त वंदना बैरवा (40) के रूप में हुई है, जिसका पीहर रंग तालाब में और ससुराल नयापुरा में है जो पति व माता-पिता से अलग अकेले ही सूने पड़े रेलवे क्वार्टर में रहती थी। मामले में सामने आ रहा है कि महिला को टीबी की भी बीमारी थी। उन्होने कहा कि महिला थी अकेली रहती थी सभी संभावनाओ को देखते हुए पुलिस हर पहलु पर मामले की जांच कर रही है।

- महिला का एक हाथ घटना से दूर व सिर भी धड़ से अलग मिला

फंदे में फंसा कोबरा सांप कलेक्टर आवास पर पहुंचा

कलेक्टर ने सांपों का रेस्क्यू करने वाले व्यक्ति को बुलाया और कोबरा को मुक्त करवा जंगल में छुड़वाया

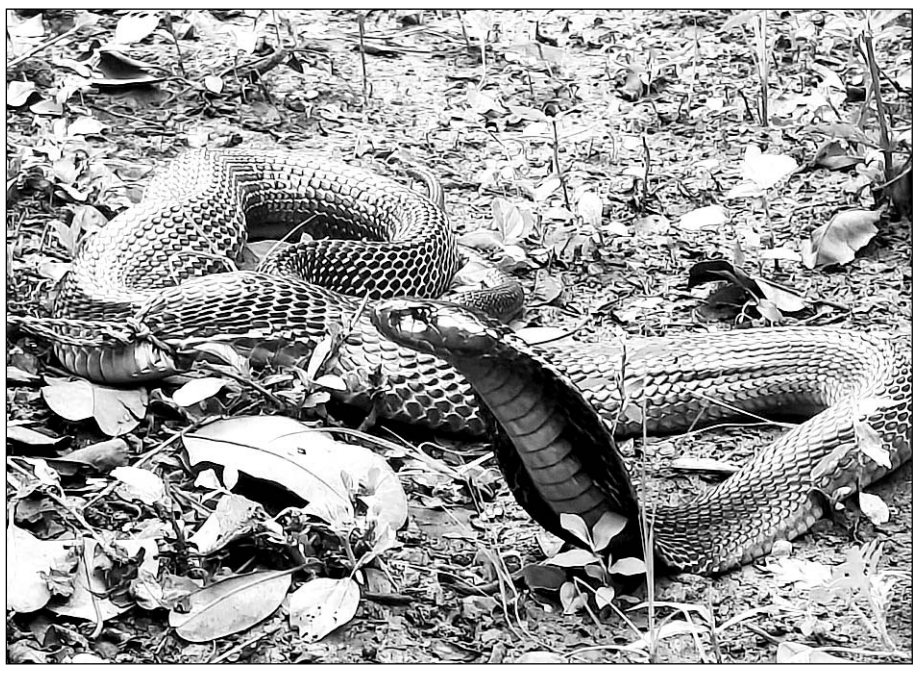

झालावाड में जिला कलेक्टर आवास पर घुसे कोबरा को रेस्क्यू किया।

झालावाड़, (निसं)। जिला मुख्यालय पर एक अजीबो-गरीब वाकिया देखने को मिला, जब एक कोबरा सांप जो किसी शिकारी के फंदे में फंस गया था, वह जिला कलेक्टर के आवास पर जा पहुंचा। शिकारी के फंदे का शिकार बने कोबरा को जैसे ही जिला कलेक्टर ने देखा तो उन्होंने तुरंत सांपों का रेस्क्यू करने वाले व्यक्ति को बुलाया और कोबरा को शिकारी के पंजे से मुक्त करवाकर जंगल में छुड़वा दिया।

जिला कलेक्टर अजय सिंह राठौड़ ने बताया कि जब वह सुबह अपने आवास के बाहर गार्डन में टहल रहे थे, तब उनकी नजर छह फीट लंबे एक कोबरा सांप पर पड़ी। कलेक्टर ने देखा कि कोबरा सांप एक नायलॉन की डोरी से कस कर बांधा हुआ था, जो शायद किसी शिकारी द्वारा जंगल में तीतर पकड़ने के लिए लगाया गया फंदा था। सांप उस फंदे में फंसकर कस गया था तथा उसकी जान के लाले पड़ गए थे। फंदे में फंसा हुआ सांप जैसे ही जिला कलेक्टर ने अपने बगीचे में देखा तो उन्होंने तुरंत फिरोज नामक स्नेक कैचर को मामले की सूचना दी, जिसके बाद स्नेक कैचर फिरोज ने जिला कलेक्टर के आवास पर पहुंचकर उक्त कोबरा सांप को जिस नायलॉन के फंदे में वह फंसा हुआ था, उस फंदे को धीरे-धीरे खोलकर अपने काबू में लिया तथा जंगल में ले जाकर छोड़ दिया।

सांप के डसने से दो बहनों की मौत

मां-पिता के लिए पानी लेकर खेत पर जा रही थी

डूंगरपुर, (निसं)। चौरासी थाना क्षेत्र के नागरिया पंचेला गांव में सांप के डसने से दो सगी मासूम बहनों की मौत हो गई। दोनों बहनें खेतों में काम कर रहे माता-पिता के लिए पीने का पानी लेकर जा रही थीं। दोनों को सीमलवाडा अस्पताल लेकर गए,लेकिन रास्ते में दम तोड़ दिया।

चौरासी थाना क्षेत्र के करावाडा चौकी प्रभारी ने बताया कि नागरिया पंचेला निवासी कालूराम कटारा ने रिपोर्ट में बताया कि मंगलवार को वह और उसकी पत्नी खेतों में निराई का काम करने गए थे। 3 बेटियां और 2 बेटे घर पर थे। 7 साल की बेटी मुन्ना और 6 साल की बेटी रेखा माता-पिता के लिए पानी लेकर खेतों में जा रही थी। रास्ते में मुन्ना और रेखा को जहरीले सांप ने पैरों में डस लिया। दर्द की वजह से दोनों कराहने लगी। चिल्लाने पर आसपास के लोग दौड़कर आए। दोनों को बेसुध हालत में सीमलवाडा अस्पताल लेकर गए, लेकिन डॉक्टर ने जांच के बाद दोनों को मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद दोनों के शव को अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया, जहां दोनों के पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिए।

सड़क हादसे में दो की मौत

डूंगरपुर, (निसं)। चौरासी थाना क्षेत्र के पाडली गांव में तेज रफ्तार बोलेरो ने एक बाइक और राहगीर को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार महिला और राहगीर की मौत हो गई। बाइक सवार महिला का पति घायल हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार भीलवा पंचेला निवासी मुकेश रोत की रिपोर्ट के अनुसार उनके पिता लक्ष्मण रोत और माता तुलसी देवी बाइक पर डूंगरपुर से घर लौट रहे थे। पाडली गांव के पास सामने से आ रही तेज रफ्तार बोलेरो ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। इसी दौरान एक राहगीर भी बोलेरो की चपेट में आ गया। राहगीर की मौके पर ही मौत हो गई। लक्ष्मण और तुलसी को गंभीर हालत में डूंगरपुर जिला अस्पताल ले जाया गया। इलाज के दौरान तुलसी की भी मौत हो गई। चौरासी थाने के एएसआई छत्तरसिंह के अनुसार पुलिस ने दोनों शवों को अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिए गए हैं। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

डूंगरपुर में रुक-रुककर बारिश का दौर जारी

डूंगरपुर, (निसं)। डूंगरपुर में रुक-रुककर बारिश का दौर जारी है। सोमवार रात को हुई बारिश ने जनजीवन को प्रभावित किया। बोडीगामा बांध में एक युवक की जान बच गई। बांध का पानी देखने गया गौतम पाटीदार तेज बहाव में बह गया। मौके पर मौजूद लोगों ने रस्सी के सहारे उसे बचा लिया।

घटना के दौरान पहली रस्सी टूट गई और युवक करीब 200 फीट तक बहता चला गया। लोगों ने दूसरी रस्सी डालकर उसे सुरक्षित निकाल लिया। पानी में बहने और पत्थरों से टकराने के कारण युवक के शरीर पर कई चोटें आई। जिला कंट्रोल रूम के अनुसार, पिछले 24 घंटों में वेंजा में सर्वाधिक 70 मिमी वर्षा दर्ज की गई। कनबा में 65 मिमी और डूंगरपुर में 58 मिमी बारिश हुई। सोम कमला आंबा बांध क्षेत्र और सागवाडा में 24 मिमी, देवल में 32 मिमी, आसपुर में 19 मिमी वर्षा रिकॉर्ड की गई। गलियाकोट में 18 मिमी, निठाऊवा में 10 मिमी, साबला में 7 मिमी, धंबोला में 5 मिमी तथा चिखली और गणेशपुर में 2 मिमी बारिश हुई। जिले में औसत 26 मिमी वर्षा दर्ज की गई। बारिश से खेत-खलिहान जलमग्न हो गए हैं।

पूंजपुर तालाब भी अब ओवरफ्लो हो गया है। इधर शहर की पेयजल आपूर्ति को पूरा करने वाला डिमिया बांध अपनी भराव क्षमता को पार कर भौर में छलक गया। वहीं चुण्डावाडा व रामसागड़ा में हुई बारिश के कारण एडर्वडसंमद में भी पानी की आवक प्रारंभ हो गई।

- बोडीगामा बांध में बहे युवक को लोगों ने बचाया
- पिछले 24 घंटों में वेंजा में सर्वाधिक 70 मिमी वर्षा दर्ज

बरसात से एनिकट के उपर से बहता पानी।

39 टन सल्फ्यूरिक एसिड से भरा टैंकर पलटा, हादसा टला

कपासन, (निसं)। कपासन (चित्तौड़गढ़) में उप जिला अस्पताल के पास स्टेट हाइवे-9 पर एक बड़ा हादसा टल गया। दरीबा माइंस से महाराष्ट्र के नांदेड़ जा रहा 39 टन सल्फ्यूरिक एसिड से भरा टैंकर सड़क पर पलट गया। हादसे के बाद टैंकर से एसिड का रिसाव शुरू हो गया, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई।

थानाधिकारी रतन सिंह ने बताया कि हादसा अस्पताल के पास बने ब्रेकर और मोड़ पर हुआ, जहां टैंकर की फीटविल पिन निकलने से उसकी केबिन आगे निकल गई और टैंकर डिवाइडर पार कर 30 फीट ऊंची पुलिया पर पलट गया। टैंकर की केबिन और बॉडी अलग हो गईं। राहत की बात यह रही कि अस्पताल की बाउंड्री पुलिया से कुछ ही फीट दूर है। यदि टैंकर पुलिया से नीचे गिरता तो बड़ा विस्फोटक हादसा हो सकता था। अस्पताल परिसर मुख्य सड़क से करीब 150 फीट अंदर स्थित है। टैंकर में 98 प्रतिशत सल्फ्यूरिक एसिड भरा था। हादसे की सूचना मिलते ही मार्ग बंद करवा दिया गया और फायर ब्रिगेड तथा एंटी केमिकल टीम को सक्रिय किया गया। टैंकर ड्राइवर रियाज खान सुरक्षित हैं। उन्होंने बताया कि फीटविल पिन निकलने से हादसा हुआ। हालांकि कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन सड़क का एक हिस्सा एसिड बहने से क्षतिग्रस्त हो गया है। बाइक सवार कैलाश भट्ट और पुरुषोत्तम वैष्णव ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। थानाधिकारी रतन सिंह मौके पर पहुंचे और फौरन हाइवे को बंद करवा दिया। यातायात को वैकल्पिक मार्गों की ओर डायवर्ट कर दिया गया।

- दरीबा माइंस से महाराष्ट्र के नांदेड़ जा रहा था सल्फ्यूरिक एसिड से भरा टैंकर

शिक्षकों की कमी को लेकर विद्यार्थियों एवं अभिभावकों का गुस्सा फूटा

नाराज अभिभावकों एवं छात्रों ने विद्यालय में तालाबंदी कर नाराजगी जताई

गुडामालानी, (कासं)। गुडामालानी मुख्यालय पर स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय प्रथम में शिक्षकों की भारी कमी को लेकर अध्यनरत विद्यार्थियों एवं अभिभावकों का गुस्सा फूटा। नाराज अभिभावकों एवं छात्रों ने तालाबंदी कर नाराजगी जताई और नारेबाजी की। जानकारी के अनुसार राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय प्रथम में शिक्षकों कमी के कारण अभिभावक परेशान होकर टीसी लेने से मजबूर हो रहे हैं। वहीं दूसरी और गरीब परिवार के बच्चों के अभिभावकों की इतनी ताकत नहीं कि अपने बच्चों को निजी विद्यालयों में पढ़ा सके। ऐसे में परेशान होकर विद्यालय का तालाबंदी कर विरोध प्रदर्शन किया। सूचना मिलने पर शिक्षा विभाग के सीबीईओ शंकरलाल योगी मौके पर पहुंचे और बच्चों व उनके अभिभावकों को कहा कि सभी जगह स्टॉफ की कमी है। सीबीईओ ने सब की भावनाओं को समझते हुए तीन शिक्षक तुरंत प्रभाव से लगाने का आश्वासन दिया एवं कहा कि नियम अनुसार बाकी पहो कि नियुक्ति भी की जायेंगी। आश्वासन के बाद छात्रों और उनके अभिभावकों ने ताला खोलकर बच्चों को विद्यालय के अंदर भेजा।

बीकानेर में वल्लभगार्डन की 300 फीट चौड़ी पाल टूटी, 2000 लोग घरों में कैद

तीन दिन पहले 61 एमएम बारिश हुई वो पानी नालों से यहां पहुंचा और पाल इसका दबाव सहन नहीं कर पाई और टूट गई

बीकानेर, (निसं)। वल्लभगार्डन की अब तक की सबसे बड़ी 300 फीट चौड़ी पाल टूट गई। पहले जब भी टूटी तो 20 से 50 और अधिकतम 70 फीट तक टूटी थी, मगर बीते दिनों आई 61 एमएम बारिश का पानी सहन नहीं हो सका और पाल दरक गई। इसे भर पाना भी आसान नहीं होगा। नतीजा, बजरंग विहार प्रथम व सेकंड फेज और मदन विहार का पूरा इलाका जलमग्न हो गया। ये तीनों ही कॉलोनियों मानो पानी के टापू पर बसी जैसी लग रही हैं।

बीते दो तीन सालों में वल्लभगार्डन की पाल अब तक कितनी बार टूट चुकी, इसकी गिनती तो शायद वल्लभगार्डन के लोग भी भूल चुके होंगे। एक उम्मीद भी लोगों को रोके है कि शायद अब कोई स्थाई समाधान निकल आए मगर योजनाएं धरातल पर उतरने की नौबत ही नहीं आ रही। बीकानेर शहर में करीब 70 प्रतिशत इलाके में सीवरेज हैं। सीवरेज का पानी तो सीधे ट्रीटमेंट प्लांट पर जाता है मगर जो बचा हुआ हिस्सा 30 प्रतिशत है, जहां सीवरेज नहीं है, वहां का पानी नालों से होते हुए वल्लभगार्डन तक जाता है। यहां आने वाले पानी का कोई आगे ना तो ट्रीटमेंट होता है ना ही इसका कोई और उपयोग। पानी भरा होने का फायदा आसपास के लोग उठाते हैं और यहां से पानी पंप करके खेतों तक ले जाते हैं और गंदे पानी से खेती करते हैं। क्योंकि इसी पाल से सटी हुई बजरंग विहार कॉलोनी का पहला और दूसरा फेज बसा हुआ है। पास में ही मदन विहार कॉलोनी भी है। जैसे ही पाल टूटती है तो पूरा पानी निकलकर इन कॉलोनियों में आ जाता है। पानी इतना ज्यादा आता कि लोगों के गेट और घरों तक घुस जाता है। यहां सैकड़ों घरों के लोग पाल टूटने पर अपने घरों में कैद हो जाते हैं क्योंकि निकलने का कोई रास्ता नहीं बचता। वही हालात बीते 3 दिनों से इस कॉलोनी के बने हुए हैं। क्योंकि 3 दिन पहले जो 61 एमएम बारिश हुई वो नालों से यहां पहुंचा। पाल इसका दबवा सहन नहीं कर पाई और टूट गई।

जानकारी के अनुसार मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अपने पहले बजट में ही बीकानेर की ड्रेनेज सिस्टम को ठीक करने के लिए 100 करोड़ रुपए देने का ऐलान किया था मगर जब प्रोजेक्ट बना तो अंत में वित्त विभाग ने 59.63 करोड़ रुपए ही मंजूर किए। यही वो पैसा है जो वल्लभगार्डन खुदखुदा नाला और सुजान देसर के आसपास के जलभराव वालों पर खर्च होगा। नगर निगम ने वित्त विभाग से मिली राशि से टेंडर कर दिया है। जल्दी ही टेंडर खुलेगा और यहां काम शुरू होगा। नगर निगम इस टेंडर के तहत यहां का पानी पहले ट्रीट करेगा और उसके बाद सीधे उसे बेचा जाएगा।

पानी के हालात इतने विकट हैं कि सोमवार को ना तो बच्चे स्कूल जा पाए क्योंकि कॉलोनी तक स्कूली वाहन नहीं पहुंच पाए। पानी के नीचे कहां गड्ढा है ये भी नहीं पता। इसलिए लोग पैदल जाने में भी डरते हैं। यही हालात यहां काम करने वालों की है। चाहे सरकारी कर्मचारी हो या प्राइवेट या कोई श्रमिक, कोई घर से निकल नहीं पाया। हालांकि दोपहर तक कॉलोनी का जलस्तर कुछ कम जरूर हुआ है मगर हालात सामान्य नहीं हुए। ऊपर से बरसाती सीजन है ऐसे में पानी भरने से मौसमी बीमारियां भी पनपने का डर है सो अलग। नगर निगम ने पानी को निकालने के लिए 3 पंप लगाए हैं। पानी निकालकर नालों से होते हुए सीवरेज प्लांट तक ले जा रहे हैं। पहली प्राथमिकता इन कॉलोनियों का पानी निकालना है। बारिश आएगी तब क्या होगा, इस सवाल के जवाब में निगम अधिकारियों का कहना है कि पाल तो अभी ठीक होना संभव नहीं है इसलिए यहां पंप लगाकर ही पानी निकालना पड़ेगा। इसके अलावा कोई विकल्प नहीं है। बारिश के पानी का दबाव सिर्फ वल्लभगार्डन ही नहीं खुदखुदा तालाब की भी पाल दरक गई। इससे यहां भी आसपास के इलाके में पानी भर गया। हालांकि निगम का दावा है कि यहां पाल को ठीक कर दिया गया है।

चिराग गोयल, एक्सईएन नगर निगम बीकानेर का कहना है कि पानी निकाला जा रहा है। इस बार पाल लंबी टूटी है। 300 फीट के करीब, उसे बांधना आसान काम नहीं है। काम शुरू हो गया मगर समय लगेगा। तब तक पंप लगाकर पानी निकाला जा रहा है, जो पैसा सरकार से मिला उससे काम कराने के लिए टेंडर प्रक्रिया चल रही है।

- जैसे ही पाल टूटती है तो पूरा पानी निकलकर इन कॉलोनियों में आ जाता है और लोगों के गेट और घरों तक घुस जाता है

ट्रेनों का संचालन दस दिन प्रभावित रहेगा

जोधपुर, (कासं) । दिल्ली सराय रोहिल्ला रेलवे स्टेशन पर इलेक्ट्रिक इंटरलॉकिंग कार्य करवाए जाने के कारण 20 से 29 जुलाई तक जोधपुर से दिल्ली स्टेशनों के बीच तेरह ट्रेनों का संचालन प्रभावित होगा, जिसके तहत सात ट्रेनों का संचालन रद्द रहेगा, जबकि छह अन्य ट्रेनों को बदले मार्ग से चलाया जाएगा। उत्तर-पश्चिम रेलवे के जोधपुर मंडल के डीआरएम अनुराग त्रिपाठी ने बताया कि उत्तर रेलवे के दिल्ली मंडल के दिल्ली सराय रोहिल्ला रेलवे स्टेशन पर इलेक्ट्रिक इंटरलॉकिंग कार्य कराए जाने के कारण अगले सप्ताह जोधपुर से दिल्ली के बीच ट्रेनों का संचालन प्रभावित होगा, जिसके तहत 20 से 29 जुलाई तक इस मार्ग पर जहां चुनिंदा ट्रेनें रद्द रहेंगी, वहीं कुछ ट्रेनों को परिवर्तित मार्ग से चलाया जाएगा।

गंदगी करने वाले 606 मामले पकड़े

कोटा, (निसं)। कोटा रेल मंडल में स्टेशनों एवं रेलगाड़ियों में नियमित साफ सफाई सुनिश्चित की जाती हैं, साथ ही यात्रियों को जागरुक भी किया जाता है। सीनियर डीसीएम सौरभ जैन ने बताया कि कोटा मंडल द्वारा चालू वित्तीय वर्ष में गन्दगी फैलाने वालों के विरुद्ध चलाये गए अभियान में 660 व्यक्तियों के मामले पकड़े गए, जिनसे कुल 1 लाख 21 हजार जुर्माना वसूला गया।